Printed Pages : 6

AEC-03

B.Sc./BCA (Semester-II) Examination, Jan.-June, 2025

(Regular / Non-Collegiate)

(NEP-2020)

HINDI LANGUAGE

Time Allowed : Two Hours

Maximum Marks : 35

नोट : सभी खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

खण्ड-अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर का चयन कीजिए। [5×1=5]

Q.1. "इनकम होती तो टैक्स होता..... भुखमरा था।" यह कथन किस पाठ से है?

(अ) भारत वंदना

(ब) भोलाराम का जीव

(स) चोरी और प्रायश्चित

(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q.2. जिस समास का प्रथम पद संख्यावाची होता है, उसे कहते हैं-

(अ) कर्मधारय समास

(ब) द्वन्द्व समास

(स) द्विगु समास

(द) तत्पुरुष समास

Q.3. 'विषाद' का विलोम शब्द है-

(अ) विस्तृत

(ब) विश्राम

(स) शाप

(द) हर्ष

Q.4. 'मुहावरा' किस भाषा का शब्द है?

(अ) तत्सम

(ब) देशज

(स) अंग्रेजी

(द) अरबी

Q.5. पारिभाषिक शब्द 'Dean' का हिन्दी शब्द है-

(अ) अधिष्ठाता

(ब) प्रभारी

(स) अध्यक्ष

(द) अधिवक्ता

खण्ड-ब

(लघुउत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

[5×2=10]

Q.1. महात्मा गाँधी के अनुसार प्रायश्चित क्या है? समझाइए।

Q.2. प्रत्यय के कितने भेद हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

Q.3. स्वर संधि के प्रकार को उदाहरण सहित समझाइए।

Q.4. मुहावरा और लोकोक्ति में अन्तर एक-एक उदाहरण देकर समझाइए।

Q.5. उच्चारणगत अशुद्धि को उदाहरण देकर समझाइए।

खण्ड-स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित सभी चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है। [4×5=20]

Q.1. हरिशंकर परसाई की व्यंग्य रचना 'भोलाराम का जीव' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

भारत माता की शोभा वृद्धि के लिए कवि ने किन-किन उपादानों का उपयोग किया है?

Q.2. समास के विभिन्न प्रकार का वर्णन कीजिए।

अथवा

संधि किसे कहते हैं? उसके भेदों को समझाइए।

Q.3. पारिभाषिक शब्दों की आवश्यकता पर एक लघु निबंध लिखिए।

अथवा

अशुद्धियों का वर्गीकरण सोदाहरण कीजिए।

Q.4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए-

(अ) विद्यार्थी और अनुशासन

(ब) भारतीय ज्ञान परम्परा

(स) नारी का महत्त्व

अथवा

निम्नलिखित अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए सारांश लिखिए-

"भारत नदियों का देश रहा है। इसलिए नहीं कि देश में नदियों की ही अधिकता है बल्कि इसलिए कि इस देश में नदियों

का विशेष रूप से सम्मान हुआ है। वे हमारे जीवन में बहुत महत्त्व रखती रहीं हैं। उनसे हमारा आर्थिक, सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन समृद्ध हुआ है। आज वे अपना प्राचीन महत्त्व खो जा रही हैं। प्राचीन ग्रन्थों में विशेषकर वेदों, ब्राह्मण ग्रन्थों और पुराणों में हमारे वनों, पर्वतों और नदियों के बारे में प्रचुर सामग्री मिलती है। नदियों के किनारे न केवल ग्राम, नगर और राजधानियाँ बसी थीं और वे न केवल यातायात का साधन थीं वरन् उनमें मनुष्य और पशु समान रूप से विहार करते थे। हाथी का वारण नाम केवल इस कारण पड़ा कि वह वारि में, जल में विहार करता रहता है।"

----- x -----